

परमेश्वर मुझे 28 तरीकों से प्रेम करता है – बच्चों के लिए बाइबल

पाठ 6 — परमेश्वर ने मुझे बनाया

मैं पढ़ सकता हूँ

“आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।”

उत्पत्ति 1:1

मेरी कहानी

मैट अपनी माँ के पास बैठ गया और गर्म कंबल को अपनी ठोड़ी तक खींच लिया। सर्दी-जुकाम से बीमार होना अच्छा नहीं लगता। वह दो दिनों से लगातार छींक रहा था, खाँस रहा था और पसीना आ रहा था। अब वह इतना अच्छा महसूस कर रहा था कि छींकने, खाँसने और पसीना आने के अलावा कुछ और कर सके।

माँ ने परिवार की बड़ी फोटो एलबम खोली और उसे दोनों की गोद में रख दिया।

“क्या तुम्हें सच में इतना अच्छा लग रहा है कि हम ये तस्वीरें देखें?” माँ ने पूछा।

“हाँ,” मैट ने नाक सुड़कते हुए जवाब दिया। “मैं कुछ मज़ेदार करना चाहता हूँ। मैं बीमार रहते-रहते थक गया हूँ।”

“ठीक है,” माँ ने मुस्कुराते हुए कहा। “मुझे पता है कि तुम्हें यह पुरानी एलबम कितनी पसंद है। तो चलो शुरू करते हैं।”

मैट अपनी माँ के पास सटकर बैठ गया और माँ तस्वीरों की ओर इशारा करने लगी।

मैट के जन्म से बहुत पहले की खींची गई तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए माँ ने कहा, “यह रहे तुम्हारे परदादा, जो गाँव में अपने खेत पर हैं। और उनके पास खड़ा वह छोटा लड़का? वह बड़ा होकर शादी करेगा और तुम्हारे पापा का पापा बनेगा! वह पापा जैसा ही दिखता है, है ना?”

मैट ने सिर हिलाया। “और यह मेरी चचेरी बहन सैंड्रा है,” उसने दूसरी तस्वीर की ओर इशारा करते हुए कहा, “और यह मेरे अंकल रे हैं—वही, जिनके पैर में युद्ध के दौरान गोली लगी थी, है ना?”

माँ मुस्कुराई, फिर कुछ देर रुकी। “अब मैं तुम्हें एक नई तस्वीर दिखाने वाली हूँ, जिसे मैंने पिछले सप्ताह एलबम में रखा है। यह हमारे परिवार के एक ऐसे सदस्य की तस्वीर है, जिससे तुम कभी नहीं मिले। क्या तुम इसे देखना चाहोगे?”

“ज़रूर!” मैट ने उत्साह से कहा। “मुझे अपने रिश्तेदारों की तस्वीरें देखना बहुत पसंद है।”

माँ ने पन्ना पलटा। वहाँ एलबम के बिल्कुल बीच में एक बंदर की बड़ी और सुंदर तस्वीर लगी थी।

मैट ने पलकें झपकाई और समझ नहीं पाया कि क्या कहे।

“यह मेरे रिश्तेदारों में से एक है?” उसने हैरानी से पूछा।

माँ ने कंधे उचकाए। “बहुत से लोग ऐसा ही कहेंगे। उनका मानना है कि अरबों साल पहले समुद्र में रहने वाला एक छोटा-सा जीव समुद्र से बाहर निकलकर जमीन पर रहने लगा। कई वर्षों के बाद उसके बच्चों में पैर, पूँछ और आखिर में शरीर पर बाल आ गए। फिर उसमें बदलाव होते रहे और वह इंसान बन गया। इसलिए, उनके अनुसार, यह तस्वीर हमारे परिवार के किसी सदस्य की हो सकती है।”

“एक मिनट!” मैट ने कहा। “बाइबल में ऐसा नहीं लिखा है। बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया, जिसमें मुझे और उस बंदर को भी बनाया। उसने पेड़-पौधे, फूल और पक्षी भी बनाए। लोग चाहे कुछ भी कहें, लेकिन मैं सच्चाई जानता हूँ। बंदर मेरा दोस्त, पालतू जानवर या चिड़ियाघर में देखने वाला कोई जीव हो सकता है, लेकिन वह कभी भी मेरा रिश्तेदार नहीं रहा।”

वह मुस्कुराया। “तो माँ, आप उस बंदर की तस्वीर हमारे परिवार की एलबम से निकाल सकती हैं। वह वहाँ नहीं है। लेकिन मैं उसे अपनी दीवार पर लगाना चाहूँगा। यह परमेश्वर की बनाई हुई एक सुंदर रचना की अच्छी तस्वीर है।”

माँ ने मैट को इतनी ज़ोर से गले लगाया कि उसे खाँसी आ गई।

“तुम बहुत समझदार बच्चे हो,” उसने कहा। “मैंने तुम्हें परखने की कोशिश की, लेकिन तुम मेरे जाल में नहीं फँसे। मैं देखना चाहती थी कि पिछले सप्ताह चर्च में तुमने ध्यान से सुना था या नहीं।”

मैट की मुस्कान कानों तक फैल गई।

“अरे,” उसने कहा, “कोई मुझे बंदर नहीं बना सकता!”

मज़ेदार बातें

बंदर:

- बंदरों को गोरिल्ला में सबसे आसानी से उनकी पूँछ के द्वारा पहचाना जा सकता है। गोरिल्ला के पूँछ नहीं होती। और वे अपनी हाथ की उँगलियों और पैर की उँगलियों दोनों से चीज़ों को पकड़ सकते हैं।

मेरी बाइबल

बाइबल के दिए गए वचनों को देखें और फिर सृष्टि के दिन से उस चीज़ तक एक रेखा खींचें जिसे परमेश्वर ने उस दिन बनाया। याद रखें, कुछ दिनों में एक से अधिक चीज़ें बनाई गई थीं।

परमेश्वर ने शुरुआत पानी, हवा और अंधकार के एक अव्यवस्थित मिश्रण से की। अंत में उसने हमारी सुंदर दुनिया बनाई।

— हवा

— सूखी भूमि

- मनुष्य
- पवित्र दिन
- पक्षी
- अधिक तेज़ प्रकाश [सूर्य]
- जानवर
- प्रकाश
- समुद्री जीव
- पौधे
- छोटा प्रकाश [चंद्रमा]
- आकाश
- दिन

दिन 1 – उत्पत्ति 1:3–5

दिन 2 – उत्पत्ति 1:6–8

दिन 3 – उत्पत्ति 1:9–13

दिन 4 – उत्पत्ति 1:14–19

दिन 5 – उत्पत्ति 1:20–23

दिन 6 – उत्पत्ति 1:24–31

दिन 7 – उत्पत्ति 2:1–3

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

मेरी प्रार्थना

हे परमेश्वर, मेरे रहने के लिए इतनी सुंदर दुनिया बनाने के लिए आपका धन्यवाद। मुझे बनाने के लिए भी आपका धन्यवाद। आमीन।

पुस्तकालय

“तब परमेश्वर ने कहा, ‘प्रकाश हो!’ और प्रकाश हो गया... परमेश्वर ने प्रकाश का नाम ‘दिन’ और अंधकार का नाम ‘रात’ रखा।”

(उत्पत्ति 1:3–5)

“तब परमेश्वर ने कहा, ‘जल को दो भागों में बाँटने के लिए कुछ हो!’ इसलिए परमेश्वर ने जल को दो भागों में बाँटने के लिए हवा बनाई... परमेश्वर ने हवा का नाम ‘आकाश’ रखा।”

(उत्पत्ति 1:6–8)

“तब परमेश्वर ने कहा, ‘आकाश के नीचे का जल एक जगह इकट्ठा हो जाए, ताकि सूखी भूमि दिखाई दे... पृथ्वी पर पौधे उगें।”

(उत्पत्ति 1:9–11)

“तब परमेश्वर ने कहा, ‘आकाश में ऐसे प्रकाश हों जो दिन को रात से अलग करें।’... इसलिए परमेश्वर ने दो बड़े प्रकाश बनाए। उसने अधिक तेज़ प्रकाश [सूर्य] को दिन पर शासन करने के लिए बनाया। उसने छोटे प्रकाश [चंद्रमा] को रात पर शासन करने के लिए बनाया। उसने तारे भी बनाए।”

(उत्पत्ति 1:14–16)

“तब परमेश्वर ने कहा, ‘जल जीवित प्राणियों से भर जाए और पक्षी पृथ्वी के ऊपर आकाश में उड़ें।’ इसलिए परमेश्वर ने बड़े-बड़े समुद्री जीव बनाए।”

(उत्पत्ति 1:20, 21)

“तब परमेश्वर ने कहा, ‘पृथ्वी जानवरों से भर जाए।’... तब परमेश्वर ने कहा, ‘आओ, हम अपने स्वरूप और समानता में मनुष्य बनाएँ।’”

(उत्पत्ति 1:24–26)

“सातवें दिन तक परमेश्वर ने अपना काम पूरा कर लिया था। इसलिए सातवें दिन उसने अपने सभी कामों से विश्राम किया। परमेश्वर ने सातवें दिन को आशीष दी और उसे पवित्र दिन बनाया।”

(उत्पत्ति 2:2, 3)

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

“छह दिन काम करने और सातवें दिन विश्राम करने का सात दिनों का साप्ताहिक क्रम, जो बाइबल के इतिहास में सुरक्षित रहा और आगे चलता आया, पहले सात दिनों की महान घटनाओं से शुरू हुआ।”
आत्मिक वरदान, खंड 3, पृष्ठ 90)

लिटरल शब्द का अर्थ है “वास्तविक।” परमेश्वर ने पृथ्वी को छह वास्तविक दिनों में बनाया और फिर एक वास्तविक दिन विश्राम किया। हमें भी ऐसा ही करना चाहिए। छह दिन काम करें, एक दिन विश्राम करें। इस सप्ताह के दिन जब आप चर्च जाते हैं, तो आप परमेश्वर के बताए मार्ग पर चल रहे होते हैं। यह बहुत खुशी की बात है।